# आ.प्र.में युनिवर्सल पीस रिट्रीट सेंटर का शिलान्यास

## विजयवाड़ा-अमरावती में ब्रह्माकुमारीज़ के युनिवर्सल पीस रिट्रीट सेंटर का किया शिलान्यास

**विजयवाड़ा-अमरावती(आ.प्र.)।** ब्रह्माकुमारीज़ के युनिवर्सल पीस रिट्रीट सेंटर का शिलान्यास आ. प्र. के माननीय मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू एवं राजयोगिनी दादी जानकी के पवित्र उपस्थिति में किया गया।

सम्बोधित करते हुए दादी जानकी। साथ हैं चन्द्रबाबू नायडू व ब्र.कु. मृत्युंजय।

जिसमें राज्य के माननीय मंत्रीगण, विधायक, सांसद, कलेक्टर, आ. प्र. एवं महा. के उच्च सरकारी पदाधिकारी, आ.प्र. की ज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. संतोष दीदी, राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. सविता,सबज़ोन इंचार्ज,वारंगल, ब्र.कु. शांता,विजयवाड़ा तथा लगभग दस हज़ारा लोगों ने शिरकत की। अपने सम्बोधन में राजयोगिनी दादी जानकी ने अपनी हार्दिक खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि चन्द्रबाबू नायडू ने ब्रह्माकुमारीज़ को वैश्विक परिवर्तन के लिए ना केवल अमरावती में बल्कि और भी कई जगहों पर ज़मीन दी है। दादी ने कहा कि ये रिट्रीट सेंटर बहुत ही कम समय में बनकर तैयार हो जायेगा, क्योंकि ये भगवान का कार्य है, और भगवान का कार्य बहुत तीव्र गति से चलता है।

उन्होंने ये भी बताया कि चन्द्रबाबू नायडू का ब्रह्माकुमारीज़ में गहरा विश्वास है, जिसके द्वारा वे आ.प्र. को गोल्डन आ. प्र. बनाना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने शांति सरोवर हैदराबाद का भी ज़िक्र किया जो कि अपने अन्यान्य कार्यक्रमों के द्वारा समाज की सेवा कर रहा है। चन्द्रबाबू नायडू ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर मेडिटेशन सेंटर का अवलोकन किया।

माननीय मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान एक शक्तिशाली, सच्चा एवं पवित्र संस्थान है, जिसका एकमात्र लक्ष्य विश्व में खुशी एवं शांति की स्थापना करना है और एक शक्तिशाली और खुश मन विश्व में कुछ भी प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने बताया कि जब मैं 2001 में मुख्यालय माउण्ट आबू गया था, तभी मुझे जो ब्रह्माकुमारीज़ से आशायें थी वो पूरी हो गयी। तभी उसी समय मैंने 34 एकड़ ज़मीन आई.टी. हब लोकेशन के पास हैदराबाद में दिया ताकि आ.प्र. के लोगों को खुशी और शांति की प्राप्ति हो सके, और मैं आज ये देखकर अति प्रसन्न हूँ व मुझे संतोष है कि शांति सरोवर अपने उद्देश्य को बखूबी पूर्ण कर रहा है। ब्रह्माकुमारीज़ ने मुझे हमेशा अपने परिवार का एक सदस्य माना है। ये जो 10 एकड़ ज़मीन ब्रह्माकुमारीज़ को दी गई है, इसके प्रति मेरा पूर्ण विश्वास है कि बहुत ही कम समय में यह एक ऐसा स्थान बनेगा जहाँ से व्यक्ति के हृदय एवं मस्तिष्क का सम्पूर्ण विकास होगा।

यह रिट्रीट सेंटर विश्व में शांति स्थापन करने में अग्रिम भूमिका अदा करेगा। राजयोग एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण के अलावा युवा विकास, महिला विकास, तनाव मुक्ति, प्रबंधन कला, रिश्तों में सद्भाव, नेतृत्व कला, ये सब चीज़ें यहाँ से ही सीखने को मिलेंगी। ब्रह्माकुमारीज़ एक ऐसी संस्था है जो कि समाज के हर वर्ग के लोगों के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने दादी जानकी से निवेदन करते हुए कहा कि वे अमरावती के इस सेंटर को विश्व के सबसे बेहतरीन सेंटर के रूप में बनायें। ये सिर्फ एक मकान बनाने की बात नहीं है, बल्कि यह साइंस और साइलेंस के सुगम समन्वय का जीता-जागता उदाहरण बनेगा। आजकल समाज में विद्यालय, अस्पताल आदि बहुत बन रहे हैं, परंतु आज सबसे अधिक हमें आध्यात्मिक वातावरण की आवश्यकता है। मैं यहाँ पर ब्रह्माकुमारीज़ का कैम्पस देखकर गर्व महसूस करता हूँ क्योंकि ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्य आध्यात्मिकता के प्रणेता हैं। हमारे पास कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस है, परंतु जब मैं सफेद वस्त्रों में ब्रह्माकुमारीज़ के सदस्यों को देखता हूँ तो महसूस होता है कि समाज में शांति एवं खुशी प्रदान करने के लिए ये सफेद शांतिदूत हैं। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि सभी अपने जीवन को सुखी एवं सार्थक बनाना चाहते हैं, तो ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाओं को अपने जीवन में अवश्य धारण करें। चन्द्रबाबू नायडू ने दादी जानकी के इस कार्यक्रम में आकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए दादी को दिल से धन्यवाद दिया।

रिट्रीट सेंटर का भूमि पूजन करते हुए चन्द्रबाबू नायडू, दादी जानकी एवं वरिष्ठ भाई बहनें।

## नशामुक्त राज्य बनाने हेतु 400 डॉक्टर्स को प्रशिक्षण

दादी रतनमोहिनी तथा राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. सचिन, स्वास्थ्य सचिव नवीन जैन, डॉ. राना जे. सिंह, ब्र.कु. डॉ. बनारसी व अन्य।

**शांतिवन। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो आने वाले समय में प्रदेश तम्बाकू मुक्त होगा।** इसी संकल्प को साकार करने हेतु राज्य सरकार की ओर से ब्रह्माकुमारीज़ के ग्लोबल ऑडिटोरियम में त्रिदिवसीय व्यसनमुक्ति कार्यक्रम के दौरान प्रदेश को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए प्रदेश के 33 जिलों से करीब चार सौ चिकित्सकों को ब्रह्माकुमारी संस्था के नशामुक्ति विशेषज्ञों द्वारा नशा मुक्ति का प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद ये चिकित्सक ए.एन.एम व आशा सहयोगियों को प्रशिक्षण देंगे, ताकि राज्य में हर व्यक्ति को तंबाकू के प्रति जागरुकता दिलाई जा सके। जिससे प्रदेश 2020 तक नशा मुक्त होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में मेडिकल एवं स्वास्थ्य सचिव नवीन जैन ने कहा कि हम नई शुरुआत करने जा रहे हैं। पिछले पाँच सालों में तंबाकू सेवन करने वालों में कमी तो आई है, लेकिन आज भी प्रदेश में हज़ारों लोग तंबाकू के कारण मौत के मुँह में जा रहे हैं।

यूनियन साउथ ईस्ट एशिया के उपक्षेत्रिय निदेशक डॉ. राना जे सिंह ने कहा कि भारत में तेज़ी से युवाओं में तंबाकू और गुटखे के प्रति रुझान बढ़ रहा है। जिसे रोकना बेहद ज़रूरी है। गौरतलब है कि अकेले राजस्थान में तंबाकू उत्पादों के सेवन के कारण हर साल करीब 72 हज़ार लोगों की मौत हो जाती है। जबकि भारत में रोज़ करीब 8 लोग अपनी जान गवां देते हैं।

**2020 तक नशामुक्त राजस्थान** - कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि खुद का जीवन और परिवार की संरचना को बनाये रखना है तो तंबाकू से मुक्ति ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारी संस्था इसके लिए कई सालों से प्रयास कर रही है। संस्था के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि मेडिकल प्रभाग का प्रयास है कि 2020 तक समस्त राजस्थान नशामुक्त हो। इस प्रशिक्षण से निश्चित तौर पर एक सकारात्मक संदेश जायेगा। राजस्थान के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. एस. एन. ढोलपुरिया, अरुणाचल प्रदेश के एन.पी.ओ. टोबैको डॉ विमान नाटुंग, उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार विभाग के डॉ. सतीश ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये।

## गुजरात ग्लोबल रिट्रीट सेंटर का शुभारंभ

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद एयरपोर्ट से पचास कि.मी. की दूरी पर देहगांव मोड़ासा हाईवे पर सुरम्य प्रकृति व शांति की सुंदरता से ओतप्रोत लोनी नदी के किनारे गुजराज ग्लोबल रिट्रीट सेंटर, इन्द्रप्रस्थ का भूमिपूजन ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर 38 एकड़ के विशाल संकुल को देख दादी ने कहा कि गुजरात मुख्यालय माउण्ट आबू के नज़दीक है, उसका फायदा भी इसे मिलता है और ये परमात्मा की आशाओं को भी पूर्ण करता है। दादी ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि विदेशों में भी जहाँ बाबा का सेंटर है वहाँ अधिकतर गुजराती लोग ज़िम्मेवारी लेकर ईश्वरीय संदेश देने का कार्य बखूबी कर रहे हैं। दादी ने ये भी कहा कि गुजरात यज्ञ में नये-नये इन्वेंशन करने में माहिर है। मुझे विश्वास है कि जल्दी ही इस रिट्रीट के निर्माण का कार्य पूर्ण होकर गुजरात की जनता के लिए शांति का केन्द्र बनेगा। कार्य हुआ ही पड़ा है, परमात्मा का कार्य और परमात्मा का साथ सदा आपके साथ है। इस अवसर पर गुजरात ज़ोन की निदेशिका ब्र.कु. सरला दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं। जी. जी.आर.सी. के डायरेक्टर डॉ. मुकेश पटेल ने रिट्रीट सेंटर में क्या-क्या होगा, इसकी विस्तृत जानकारी दी तथा उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा संकुल बनेगा जहाँ सतयुगी दुनिया कैसी होगी, वहाँ लोग कैसे रहेंगे, उसका मॉडल इस प्रांगण से दिखाई देगा। इस अवसर पर ब्र.कु. चंद्रिका दीदी तथा गुजरात के सभी मुख्य सेवाकेन्द्रों की संचालिका बहनें एवं भाई उपस्थित थे।

कार्यक्रम में दादी व सरला दीदी का स्वागत करते हुए भाई बहनें

भूमि पूजन बहुत ही आध्यात्मिक रीति से किया गया। नारियल तोड़कर भूमि को पावन करने की रस्म अदा की गई।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 13th Feb 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।